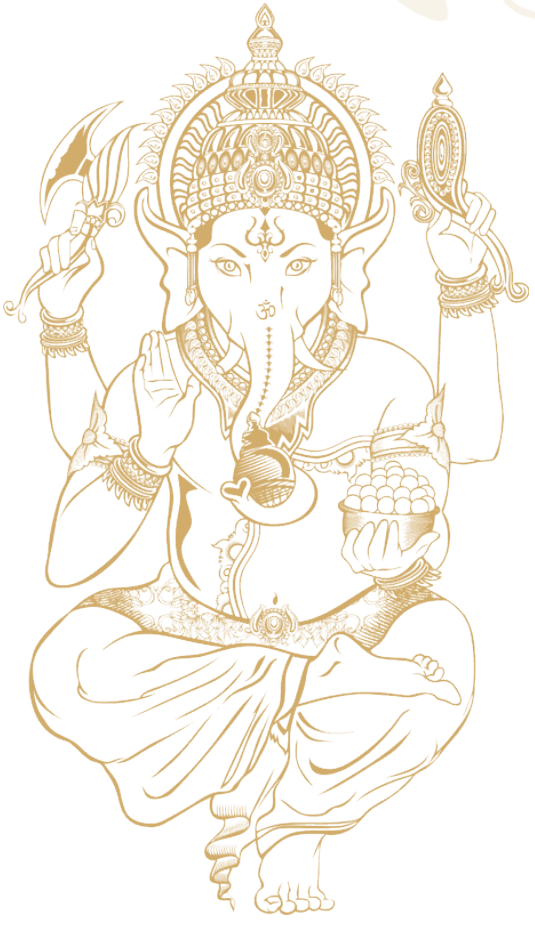

Priti ghosh

10 Feb 2020

05:55 PM

Dhuburi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121873424

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**10/02/2020**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**17:55:00 घंटे**
इष्ट	29:22:50 घटी
स्थान	**Dhuburi**
राज्य	Assam
देश	India

अक्षांश	26:02:00 उत्तर
रेखांश	89:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:29:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:24:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:13 घंटे
साम्पातिक काल	03:45:06 घंटे
सूर्योदय	06:09:52 घंटे
सूर्यास्त	17:19:09 घंटे
दिनमान	11:09:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	27:05:11 मकर
लग्न के अंश	05:45:06 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	अतिगण्ड
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मो-मोहिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	05:45:06	318:05:26	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	---
सूर्य			मक	27:05:11	01:00:43	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	13:50:57	15:01:27	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			धनु	01:46:18	00:41:08	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			कुंभ	15:16:10	01:00:35	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			धनु	21:33:55	00:12:32	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	स्वराशि
शुक्र			मीन	09:00:43	01:10:11	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शनि			मक	01:59:20	00:06:40	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	स्वराशि
राहु	व		मिथु	13:28:51	00:06:45	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	13:28:51	00:06:45	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	उच्च राशि
हर्ष			मेष	08:54:54	00:01:33	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	---
नेप			कुंभ	23:15:53	00:02:05	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	---
प्लूटो			धनु	29:34:50	00:01:50	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			वृष	04:22:33	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:01

लग्न-चलित

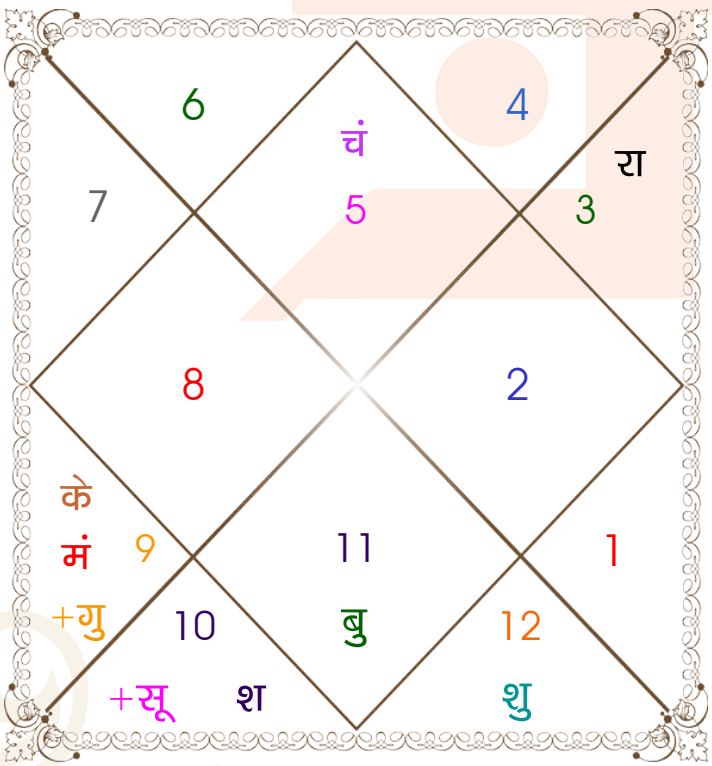

चन्द्र कुंडली

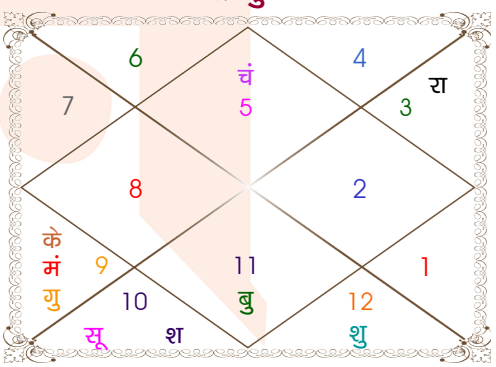

नवमांश कुंडली

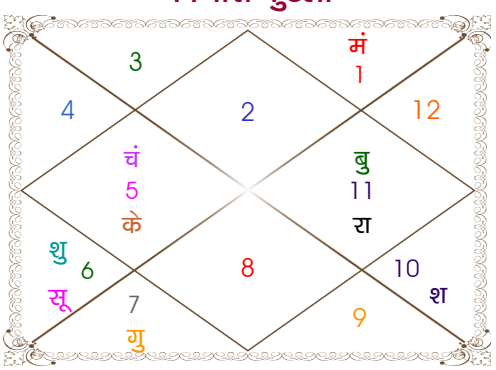

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 19 वर्ष 2 मास 21 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
10/02/2020		04/05/2039		03/05/2045		04/05/2055		03/05/2062	
04/05/2039		03/05/2045		04/05/2055		03/05/2062		03/05/2080	
शुक्र	02/09/2022	सूर्य	21/08/2039	चंद्र	04/03/2046	मंगल	30/09/2055	राहु	14/01/2065
सूर्य	02/09/2023	चंद्र	20/02/2040	मंगल	03/10/2046	राहु	17/10/2056	गुरु	09/06/2067
चंद्र	03/05/2025	मंगल	27/06/2040	राहु	02/04/2048	गुरु	23/09/2057	शनि	15/04/2070
मंगल	03/07/2026	राहु	21/05/2041	गुरु	02/08/2049	शनि	02/11/2058	बुध	02/11/2072
राहु	03/07/2029	गुरु	10/03/2042	शनि	04/03/2051	बुध	30/10/2059	केतु	20/11/2073
गुरु	03/03/2032	शनि	20/02/2043	बुध	02/08/2052	केतु	27/03/2060	शुक्र	20/11/2076
शनि	04/05/2035	बुध	27/12/2043	केतु	03/03/2053	शुक्र	27/05/2061	सूर्य	14/10/2077
बुध	04/03/2038	केतु	03/05/2044	शुक्र	02/11/2054	सूर्य	02/10/2061	चंद्र	15/04/2079
केतु	04/05/2039	शुक्र	03/05/2045	सूर्य	04/05/2055	चंद्र	03/05/2062	मंगल	03/05/2080

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
03/05/2080		03/05/2096		05/05/2115		04/05/2132		05/05/2139	
03/05/2096		05/05/2115		04/05/2132		05/05/2139		00/00/0000	
गुरु	21/06/2082	शनि	07/05/2099	बुध	30/09/2117	केतु	30/09/2132	शुक्र	11/02/2140
शनि	01/01/2085	बुध	15/01/2102	केतु	27/09/2118	शुक्र	30/11/2133		00/00/0000
बुध	09/04/2087	केतु	24/02/2103	शुक्र	28/07/2121	सूर्य	07/04/2134		00/00/0000
केतु	15/03/2088	शुक्र	25/04/2106	सूर्य	04/06/2122	चंद्र	06/11/2134		00/00/0000
शुक्र	14/11/2090	सूर्य	07/04/2107	चंद्र	03/11/2123	मंगल	04/04/2135		00/00/0000
सूर्य	02/09/2091	चंद्र	06/11/2108	मंगल	30/10/2124	राहु	22/04/2136		00/00/0000
चंद्र	01/01/2093	मंगल	15/12/2109	राहु	20/05/2127	गुरु	29/03/2137		00/00/0000
मंगल	08/12/2093	राहु	21/10/2112	गुरु	25/08/2129	शनि	07/05/2138		00/00/0000
राहु	03/05/2096	गुरु	05/05/2115	शनि	04/05/2132	बुध	05/05/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 19 वर्ष 2 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्न में हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर बृष राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इनके प्रभाव से यह स्पष्टत सूचना मिलती है कि आप पूर्ण रूपेण सुन्दर एवं आरामदायक उत्तम जीवन व्यतीत करेंगी। जीवन क्रम में कोई गम्भीर चिन्तनीय समस्याएं उत्पन्न नहीं होगी।

आप सिंह राशीय समन्वय की परिधि में आपका समय कोलाहलपूर्ण रहेगा। आप अन्तरात्मा से साहसिक प्रवृति की महिला है। आपको अपनी गतिशीलता से अप्रसन्नता प्राप्ति होती हैं। यदि आप निर्भयता पूर्वक सच्ची लग्न से व्यवसायिक कार्य प्रारम्भ करें तो आपको उत्तम एवं सन्तोषजनक फल प्राप्त होंगे। परन्तु आपके प्रभावशाली कार्य कलाप के सम्पादन पर आपके लाभ का अधिकांश भाग किसी भी परिस्थिति में व्यय करेंगी। आप चाहती है कि आपके परिवार के लोगों का पहनावा वस्त्रादि उत्तम रहें तथा आप इन वस्तुओं पर अच्छा धन व्यय करें। जिससे आपके घरेलू रहन सहन प्रभावशाली दिखाई दे। आप अपनी मित्र मण्डली के आमोद-प्रमोद एवं मिलन समारोह पर भी खूब व्यय करेंगी। आप सर्वथा धार्मिक आयोजनों पर तथा दान धर्म के कार्यो में अत्यन्त धन प्रदान करेंगी। परिणाम स्वरूप आप वृद्धावस्था में यह अनुभव करेंगी कि पूर्व में किया गया धन व्यय के कारण इस समय धन का बड़ा अभाव हुआ है। अतः इस प्रकार से अति मात्रा में धन व्यय पर नियंत्रण करें। अतः उत्तम तो यह है कि आप अपने धन की थैली का मुंह इस प्रकार नहीं खोले। मुख्यतः आपके जीवन का भाग्यशाली समय आपके 25 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा।

आपको आत्म विश्वास है कि मैं धनी तथा सर्व विद्या से परिपूर्ण हूँ। आप का व्यवहार बहुत अन्धाधुंध अर्थात् दुःसाहसपूर्ण है। आप अन्य विकल्प के पूर्व अपने कार्य व्यवसाय के सम्बंध में शीघ्र निर्णय ले। अतः आपको व्यवसायिक विषयों पर अपने मित्रों तथा शुभ चिन्तकों द्वारा अच्छी परामर्श ग्रहण करने की शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। वास्तव में आपको अपने निर्णय पर किसी भी प्रकार का गम्भीरतापूर्वक सामंजस्य न करे। यदि आप अपनी मद्यपान करने की मनोवृति में बदलाव नहीं ला सकी तो आपके जीवन में उच्चस्तरीय अभ्युदय युक्त विशेषतः अर्थहीन हो जाएगा।

यदि आप अपना पारिवारिक जीवन उत्तम प्रकार से व्यतीत करने की अभिलाषी हैं, तो आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति को नियंत्रित करने की अभ्यास करनी चाहिए। यदि आप अकस्मात आपने पारिवारिक सदस्यों पर कोघ्र प्रदर्शन कर अनुपयुक्त मतान्तरिक व्यवहार करती रही तो आपका प्रसन्नतम परिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है। वास्तव में आप घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त कर सकती हैं। यथा आपके पति तथा आपकी प्यारी सन्तानें आपको हार्दिक स्नेह प्रदान कर सकती हैं बशर्ते कि आप भी उसके बदले में समान आदान प्रदान करती रहें। आपकी विपरीत योनि के प्रति जो प्रसिद्धि है, एक गम्भीर एवं चिन्तनीय है। जिस विषय पर आपको सतर्क रहना चाहिए। आपकी यह प्रवृति आपके पति को सशंकित करती है। आपको अपने जीवन संगी की आशंकाओं का विस्तारपूर्वक स्पष्टीकरण करना चाहिए। क्योंकि आप विपरीत योनि के सदस्यों द्वारा प्रसिद्ध एवं प्रभावशाली है। इसका यह अर्थ नहीं कि आप अपने

जीवन साथी के प्रति विश्वघात करेंगी।

आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप मुख्यतः एवं बृहत्कार कार्य कलाप करने की मनोवृति से युक्त हैं। आप अपने अधिनस्थ छोटे-छोटे कार्यों को कार्यान्वित नहीं करना चाहती हैं। आप स्थायी रूप से निगम (कारपोरेशन), कम्पनी तथा भूमि भवन-सम्बंधी कार्य बिन्दु को व्यवहृत करने के प्रति उपयुक्त है।

आप निश्चित रूप से सामान्यतया पूर्ण स्वस्थ रहेंगी। परन्तु आपको वृद्धावस्था के प्रति सावधानी बरतनी होगी क्योंकि ऐसा अवसर आ सकता है कि आपके रीढ़ की हड्डियों की परेशानी तथा हृदय सम्बंधी रोग से ग्रसित हो जाएं। आपकी शराब पीने की आदत एवं अतिरिक्त भोजन करने की आदतों को त्यागना वृद्धावस्था के लिए सहायक एवं अनुकूल होगा।

आपके लिए रंग लाल, हरा एवं नारंगी रंग के वस्त्रों का उपयोग अनुकूल है। रंग काला एवं सफेद रंगों का परित्याग करना श्रेयष्कर है।

आपके अनुकूल अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।